G1563

सहेली की डायरी

गीतिका वेदिका

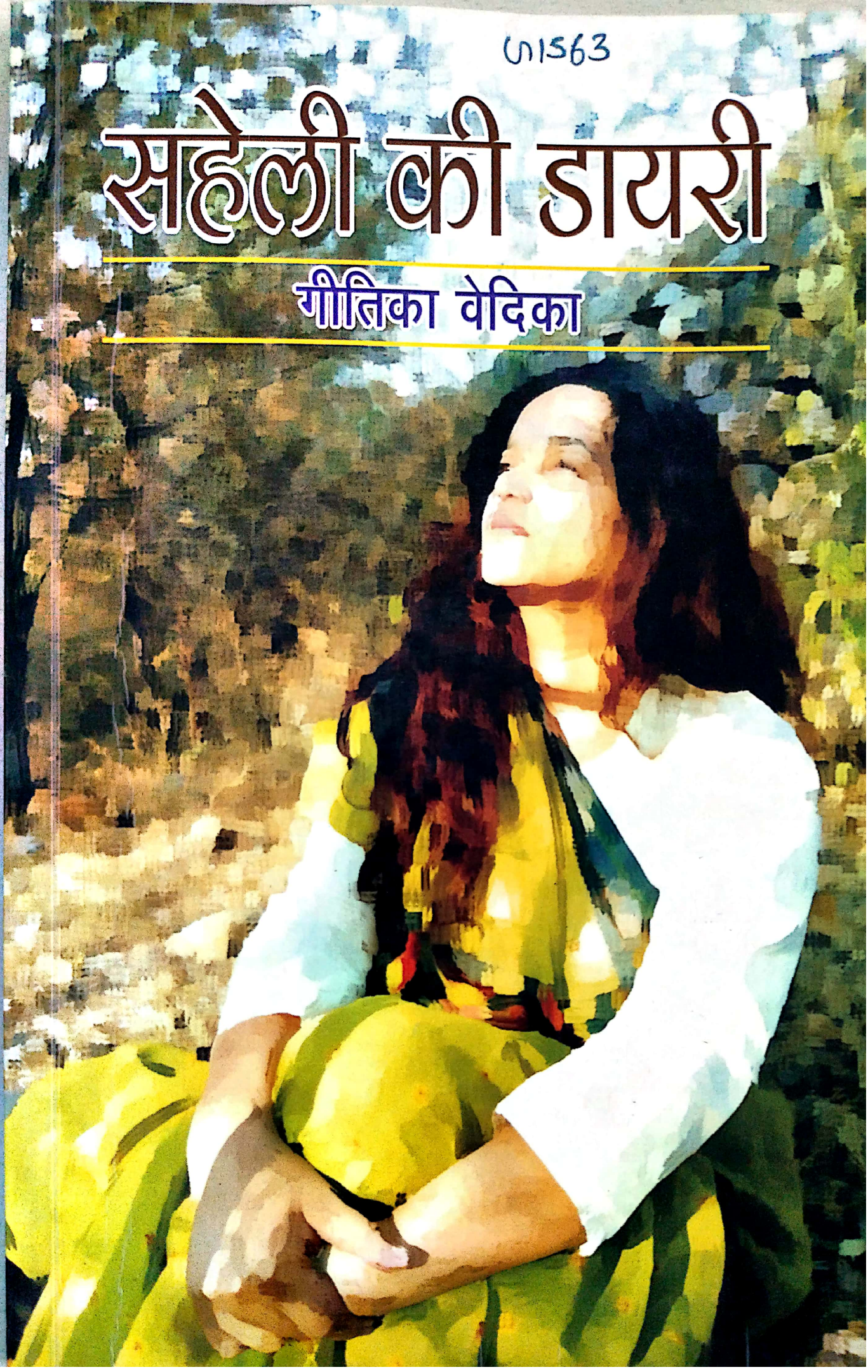

Scanned with OKEN Scanner

जिला पुस्तकालय टीकमगढ़, श्री विजय मेटरा जी को सादर समर्पित
—गीतिका वेदिका
9826079324

सहेली की डायरी

(कहानी संग्रह)

G1563

गीतिका वेदिका

लोकोदय प्रकाशन
लखनऊ

Scanned with OKEN Scanner

कॉपीराइट © गीतिका वेदिका

ISBN : 978-93-88839-47-1

प्रथम संस्करण : दिसम्बर 2019

Saheli Ki Diary
By Githika Vedicka

आवरण परिकल्पना : वैष्णवी अवस्थी

मुद्रक : प्रिंट प्लस प्रा.लि.

मूल्य : ₹175

लोकोदय प्रकाशन प्रा. लि.
65/44, शंकर पुरी, छितवापुर रोड, लखनऊ-226001
दूरभाष : 9076633657
ई-मेल : lokodayprakashan@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

समर्पयामि

संसार की तमाम मोती सी बिखरी लड़कियों से लेकर रेशमी धागे में स्वयं को पिरोती हुई सशक्त लड़कियों तक...

समर्पयामि

उन सब पुरुषों को जो लड़कियों के निर्णय के साथ रहे पिता, भाई, पति, पुत्र और मित्र बनकर...

Scanned with OKEN Scanner

गीतिका वेदिका

CG1563

'अधूरी देह क्यों मुझको बनाया, बता ईश्वर तुझे यह क्या सुहाया?' जैसी कालजयी रचना की रचनाकार गीतिका वेदिका ने जो मक़ाम इधर कुछ वर्षों में कला, नाट्य निर्देशन, मंचन, अभिनय (नाटक, धारावाहिक व फीचर फिल्म) व गीत-कविता में बनाया है वह प्रशंसनीय है।

आपकी प्रथम काव्य कृति 'अधूरी देह' के बाद प्रथम कहानी संग्रह 'सहेली की डायरी' हिन्दी साहित्य जगत के लिये प्रस्तुत है।

टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश) में जन्मी, आपदा प्रबंधन से एमबीए, अनेक सम्मानों से सम्मानित गीतिका वेदिका अपनी संस्था 'समर्पयामि फाउंडेशन' के द्वारा बुन्देलखण्ड की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हुए सतत साहित्य, समाज व किन्नर समुदाय को मुख्य धारा में लाने के प्रयास में लगी हैं।

सम्पर्क - समर्पयामि फाउण्डेशन, गीतिका वेदिका, ताल दरवाज़ा, हरदौल मंदिर, टीकमगढ़, मध्यप्रदेश
मो.-9826079324
E-mail : samrpyami@gmail.com

गीतिका वेदिका, अद्भुत कला की धनी हैं, आप लेखिका हैं गीतकार हैं, अदाकार व निर्देशिका है। सबसे अहम बात यह है कि वे समाज सुधारक भी हैं। देश और समाज के लिए जागरूक होना आज के वक़्त में बहुत बड़ी बात है।जब लोग 'मैं और मेरा' के अलावा कुछ नहीं सोचते, तब गीतिका वेदिका जैसा व्यक्तित्व हमें सुखद अहसास दिलाता है कि कुछ लोग अभी भी हैं, जो अपनी कला, साहित्य व सामाजिकता की लौ जलाए हुए हैं।

मैं गीतिका के साथ विगत कई वर्षों से काम कर रहा हूँ, उनको जाना वो कितनी ईमानदारी से किन्नरों पर काम कर रहीं हैं। किन्नर व्यवस्था में पीछे छोड़ दिये गए समाज के वो लोग है जिन्हें प्यार व इज़्ज़त मिलनी ही चाहिये। गीतिका के अनेक गुण है जो उन्हें समाज मे दूसरों से अलग खड़ा करते हैं।

मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रस्तुत कहानी संग्रह 'सहेली की डायरी' नि:सन्देह हिन्दी साहित्य में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाएगा।

राजा बुन्देला
फ़िल्म अभिनेता-निर्माता, निर्देशक व
उपाध्यक्ष बुन्देलखण्ड विकास प्राधिकरण उत्तरप्रदेश

Scanned with OKEN Scanner